ECHO OF HIS CALL

HINDI

बुलावे की प्रतिध्वनि

ECHO OF HIS CALL 1969-2019 GOLDEN JUBILEE (ECHO GROUP)

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor: Dorothy S. Thomas

Vol. XXVII YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, JUNE 2022 No.7

पवित्र बाइबल!

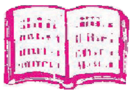

इन वचनों को याद करें परमेश्वर की स्तुति हो

नीतिवचन ४:१-१०

१ हे मेरे पुत्रो, पिता की शिक्षा सुनो, और समझ प्राप्त करने में मन लगाओ।

२ क्योंकि मैं ने तुम को उत्तम शिक्षा दी है; मेरी शिक्षा को न छोड़ो।

३ देखो, मैं भी अपने पिता का पुत्र था, और माता का अकेला दुलारा था।

४ और मेरा पिता मुझे यह कहकर सिखाता था, "तेरा मन मेरे वचन पर लगा रहे; तू मेरी आज्ञाओं का पालन कर, तब जीवित रहेगा।

५ बुद्धि को प्राप्त कर, समझ को भी प्राप्त कर; उनको भूल न जाना, न मेरी बातों को छोड़ना।

६ बुद्धि को न छोड़, वह तेरी रक्षा करेगी; उससे प्रीति रख, वह तेरा पहरा देगी।

७ बुद्धि श्रेष्ठ है इसलिये उसकी प्राप्ति के लिये यत्न कर; जो कुछ तू प्राप्त करे उसे प्राप्त तो कर परन्तु समझ की प्राप्ति का यत्न घटने न पाए।

८ उसकी बड़ाई कर, वह तुझ को बढ़ाएगी; जब तू उससे लिपट जाए, तब वह तेरी महिमा करेगी।

९ वह तेरे सिर पर शोभायमान भूषण बाँधेगी; और तुझे सुन्दर मुकुट देगी।"

१० हे मेरे पुत्र, मेरी बातें सुनकर ग्रहण कर, तब तू बहुत वर्ष तक जीवित रहेगा।

तुम्हारा शोक आनंद में बदल जाएगा!

YOUR MOURNING WILL TURN INTO JOY! (Psalm 30:11)

मुख्य गिरजाघर में पा. एस सैम सेल्वराज द्वारा दिया गया संदेश

विपत्ति के समय, जब हम सलाह लेने के लिए अपने दोस्तों या डॉक्टरों के पास जाते हैं, तो वे हमें यह कहकर दिलासा दे सकते हैं, **"चिंता मत करो, सब ठीक हो जाएगा। समय बीतने के साथ आपकी सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी।"** परमेश्वर के कई बच्चे दुख, दर्द और क्लेश में जीते हैं। जब हमारी समस्याएं कई गुना बढ़ जाती हैं, तो हम उम्मीद खो देते हैं। जब हम अपने जीवन में परमेश्वर की अगुवाई के बारे में बहुत स्पष्ट नहीं होते हैं, तो हम बहुत अधिक चिंता करते हैं। उदाहरण के लिए, दुनिया के सभी लोगों को कोविड-१९ के प्रभाव से बहुत नुकसान हुआ था। कोई भी दुख, परेशानी, बीमारी की सजा दुखदायी होती है। जब हम अपने जीवन में हुई दुखद घटनाओं पर विचार करते हैं, तो हम सोचते हैं कि "क्या यह प्रभु के ज्ञान के बिना हुआ है? क्या प्रभु ने मेरी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया?" लेकिन हमें याद रखना है कि प्रभु के ज्ञान के बिना हमारे जीवन में कुछ भी नहीं होता। जब हम ऐसे दर्दनाक अनुभवों से गुजरते हैं, परमेश्वर दुखों और परेशानियों को आनंद में बदल देता है! तो आपका वर्तमान दुःख निश्चित रूप से आनंद में बदल जाएगा! मत डरिए! **"... तुम्हें शोक होगा, परन्तु तुम्हारा शोक आनन्द में बदल जाएगा"** (यूहन्ना १६:२०)।

हम मत्ती ५:४ में पढ़ते हैं, **"धन्य हैं वे, जो शोक करते हैं, क्योंकि वे शांति पाएंगे।"** हम सोचते हैं कि धन्य लोग वे हैं जो इस दुनिया में सभी प्रकार के भौतिक सुखों का आनंद लेते हैं। परन्तु प्रभु कहता है कि शोक करनेवाले धन्य हैं! क्या यह अजीब नहीं है? प्रभु, जो जानता है कि शोक करनेवाले धन्य हैं, वह भी भली-भांति जानता है कि शोक आनन्द में बदल जाएगा! लोगों के लिए इससे सहमत होना बहुत मुश्किल है।

मन की शांत, उदास अवस्था किसी व्यक्ति की स्थिति है जो गहरे दुख में है। बेरोजगारी, बीमारी, धन की कमी, कार्यस्थल पर या परिवार में समस्या, भविष्य की चिंता आदि के कारण दुःख उत्पन्न हो सकते हैं। हमारा दुःख कुछ भी हो, परमेश्वर कहता है कि हम सभी जो ऐसे कठिन समय से गुजरते हैं, धन्य हैं और हमें शान्ति मिलेगी। वे कठिन परिस्थितियां आनंद में बदल जाएंगी, हालांकि यीशु मसीह ने यह वादा बहुत पहले किया था, यह आज भी उपयुक्त है। आगे से सुखी और आनंदित रहें। **"इसलिये परमेश्वर के बलवन्त हाथ के नीचे दीनता से रहो, जिस से वह तुम्हें उचित समय पर बढ़ाए"** (१ पतरस ५:६)।

जब हम अपनी कमज़ोरी और गरीबी के दिनों में प्रभु को देखते हैं, तो हम प्रभु को हमसे बात करते हुए सुनने लगते हैं। जो लोग बिना किसी दुख के जीवन जीते हैं, वे प्रभु की वाणी

पृष्ठ 3 में क्रमशः...

ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

from your dearly beloved brother...

(ECHO GROUP)

“वह तेरी सीमा में शान्ति देता है, और तुझ को उत्तम से उत्तम गेहूँ से तृप्त करता है।” (भजन १४७:१४)

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

प्रभु में अत्यंत प्रिय,

हम आपको हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अद्वितीय नाम से अभिवादन करते हैं! हम अपने प्रभु परमेश्वर की स्तुति करते हैं, जिसने अब तक हमारी अद्भुत अगुवाई की थी।

एको ऑफ हिज़ कॉल पत्रिकाएं

❈ हमारे प्रभु यीशु मसीह की अकथनीय दया से, वह हमें हमारी मासिक पत्रिका “एको ऑफ हिज कॉल” को १६ भाषाओं में छापने में सक्षम बना रहा है। परमेश्वर आप में से प्रत्येक को बहुतायत से आशीष देगा जो इस सेवकाई के लिए प्रार्थना और आर्थिक सहायता करते हैं। विभिन्न भाषाएं बोलने वाले लोग इन पत्रिकाओं के कारण परमेश्वर के प्रेम से प्रभावित होते हैं।

नहेमायाह आवासीय बाइबिल कॉलेज (हिंदी)

❈ हमें पुरुषों के लिए हमारे आवासीय बाइबिल कॉलेज (हिंदी) के लिए कुछ और छात्रों की आवश्यकता है। कक्षाएं ६ जून, २०२२ से शुरू होंगी। हम पात्र छात्रों को छात्रवृत्ति के रूप में शिक्षा, भोजन और आवास नि:शुल्क प्रदान करते हैं। कृपया इस जानकारी को सीधे या पत्रों या व्हाट्सएप के माध्यम से अपने दोस्तों और प्रार्थना भागीदारों तक प्रसारित करें। हम एक साल के सर्टिफिकेट कोर्स के साथ-साथ दो साल का डिप्लोमा कोर्स भी कराते हैं। हमारे नहेमायाह बाइबिल डिप्लोमा कॉलेज को एटीए (एशिया थियोलॉजिकल एसोसिएशन) द्वारा सदस्यता के लिए पंजीकृत उम्मीदवार का दर्जा दिया गया है। यह संगठन दुनिया भर में बाइबिल कॉलेजों के लिए एक प्रत्यायन एजेंसी है।

नहेमायाह सांध्य कालीन बाइबिल कॉलेज (तमिल)

❈ हमारा इवनिंग बाइबल कॉलेज (तमिल) भी बहुत अच्छी तरह से चल रहा है। यह कॉलेज भी ६ जून, २०२२ को फिर से खुलेगा। हमें पुरुषों और महिलाओं दोनों में अधिक योग्य छात्रों की आवश्यकता है। हम एक साल के सर्टिफिकेट कोर्स के साथ-साथ दो साल का डिप्लोमा कोर्स भी कराते हैं।

नहेमायाह बाइबिल कॉलेज का पुस्तकालय

❈ परमेश्वर की कृपा से, हम नहेमायाह बाइबिल कॉलेज पुस्तकालय से संबंधित पुस्तकों को धीरे-धीरे कंप्यूटर में अपलोड कर रहे हैं। हमारे पास करीब ७,००० किताबें हैं। इन पुस्तकों को उचित तरीके से कम्प्यूटरीकृत करने के लिए हमारे पास बहुत अधिक काम और खर्च है। यह काम हमारी क्षमता से परे लगता है। हमें विश्वास है कि इस काम के लिए हमारा परमेश्वर हमें और अधिक धन प्रदान करेगा। मेरा परमेश्वर अपनी महिमा के धन के अनुसार मसीह यीशु के द्वारा तुम्हारी सारी आवश्यकता पूरी करेगा (फिलिप्पियों ४:१९)।

नहेमायाह बाइबिल कॉलेजों के शैक्षणिक वर्ष २०२१-२०२२ के लिए पदवीदान आराधना

❈ परमेश्वर की इच्छा रही, तो हमारे बाइबिल कॉलेजों के शैक्षणिक वर्ष २०२१-२०२२ के लिए पदवीदान आराधना बलार कालवी निलयम, वेपेरी, पुरसावलकम, चेन्नई - में (शुक्रवार) ०३.०६.२०२२ को शाम ५ बजे आयोजित की जाएगी। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि यदि आप उस दिन चेन्नई में हैं, तो कृपया भाग लें।

सुसमाचार के साथ उत्तर भारत पहुंचना

❈ लंबे समय से हमारी हार्दिक इच्छा और मिशन रहा है, उत्तर भारत में रहने वाले, विभिन्न भाषाएं

CHIEF EDITOR
Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Ed.

MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

ADMINISTRATION
Bro. N. Prakasam, M.A., General Manager

EDITORIAL BOARD
Sis. Jesy Veena Sam
Bro. M. Paulraj, M.A., B.Ed.
Sis. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 95661 31858

E.mail ID
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.com

YOUTUBE CHANNEL
Echo of His Call

Our Ministries: ECHO OF HIS CALL Monthly Magazines (16 languages) ◘ BIBLECOR - Postal Courses (3 languages) ◘ Online Courses ◘ Theological Correspondence Courses (2 languages) ◘ Church Planting ◘ Nehemiah Bible Colleges ◘ Gospel Printing Press ◘ Great Commission Partners ◘ St. Paul's Matriculation School ◘ Crusades ◘ Community Development

बोलने वाले लोगों को सुसमाचार देकर उनकी मदद करना। कई छात्रों को हमारे नहेमायाह हिंदी बाइबल कॉलेज में लाने के लिए, मैं सीधे उड़ीसा राज्य के रायगड़ा, परलाखेमुंडी और कंडमल जैसे स्थानों पर जाने का इरादा रखता हूं। हालांकि यह मेरे लिए मुश्किल है, मैं जाना चाहता हूं। हमारे पास सिर्फ एक जीवन है। आइए हम वह जीवन अपने प्रभु परमेश्वर यीशु को दे दें।

सेंट पॉल्स मैट्रिक्यूलेशन स्कूल

❋ सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल बहुत अच्छी तरह से चल रहा है। बच्चों को उनके घर से स्कूल ले जाने और उन्हें वापस घर ले जाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मिनी बस की मरम्मत की जानी है। यह अब प्रयोग करने योग्य स्थिति में नहीं है। हमें नया वाहन खरीदना है। कृपया नया खरीदने के लिए आवश्यक धन के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर की इच्छा रही तो यह स्कूल १३ जून सोमवार को फिर से खुल जाएगा। परमेश्वर की कृपा से, इस स्कूल ने तमिलनाडू सरकार द्वारा हाई स्कूल के रूप में कार्य करने के लिए मान्यता प्राप्त की है। भारत सरकार ने भी इस स्कूल को मसीही अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा दिया है।

❋ कृपया अपनी प्रार्थनाओं में हमारे बहुत महत्वपूर्ण सेवाओं जैसे **पोस्टल बाइबल कोर्स, गॉस्पल प्रेस, चर्च, आउटरीच मीटिंग्स और सामाजिक सेवाओं** को भी याद रखें।

❋ मैं और मेरा परिवार अच्छे स्वास्थ्य में हैं। कृपया हमारे सहकर्मियों को भाई एम. पौलराज, पादरी एम. मुथु और भाई इलांगोवन जो बीमार हैं, आपकी प्रार्थना में याद रखें।

❋ परमेश्वर आपको अधिक से अधिक आशीष देंगे क्योंकि आप "एको ऑफ हिज कॉल" की सेवाओं से प्यार करते हैं और आर्थिक रूप से सहायता कर रहे हैं। हम आपके लिए ईमानदारी से प्रार्थना करते हैं। यदि पवित्र आत्मा आपसे कहता है कि ये सभी सेवकाई केवल परमेश्वर के राज्य का विस्तार करने के इरादे से की जाती है, तो कृपया अपना दान भेजें और हमारी सेवकाई की सहायता करें। परमेश्वर आपको अवश्य आशीष देगा।

❋ हमारे पास इस बात के कई प्रमाण हैं कि कैसे प्रभु ने हमें कई कष्टों और समस्याओं से मुक्ति दिलाई, जिन्हें खुले तौर पर समझाया नहीं जा सकता। तो, हमारे लिए प्रार्थना करना जारी रखें। परमेश्वर का अनुग्रह आप पर बना रहे।

मसीह यीशु में आपके सेवक,

पास्टर एस. सैम सिल्वा राज और एलेक्स सैमसन सैम
(+91) 98412 71858 / 98410 71858
E.mail : samselvaraj333@gmail.com

पृष्ठ 1 से आगे:...

नहीं सुनते हैं। यह तब होता है जब हम निराश महसूस करते हैं और दुखों का अनुभव करते हैं कि हम परमेश्वर की आवाज सुन सकते हैं और उस के स्पर्श को महसूस कर सकते हैं। जबकि, हमारी अच्छी स्थिति में परमेश्वर की आवाज सुनना बहुत दुर्लभ है। इसलिए प्रभु कहता है, "धन्य हैं वे जो शोक करते हैं।"

पौलुस ने कुछ दुखद अनुभव पाया और उसने परमेश्वर से प्रार्थना की कि वह उसे उसके शरीर से हटा दे। परन्तु परमेश्वर ने कहा, "पर उसने मुझ से कहा, मेरा अनुग्रह तेरे लिये बहुत है; क्योंकि मेरी सामर्थ्य निर्बलता में सिद्ध होती है" (२ कुरिन्थियों १२:९)। पौलुस एक सुखी और संतुष्ट जीवन व्यतीत कर सकता था। लेकिन वह ऐसा जीवन नहीं चाहता था जो प्रभु के स्पर्श को महसूस न करे या उसकी आवाज न सुने। उसने दुख का जीवन पसंद किया जो उसे प्रभु की आवाज़ सुनने के लिए प्रेरित कर सके और उसने ऐसे जीवन को आनंदमय और गौरवशाली माना। "कि मैं किसी भी रीति से मरे हुओं में से जी उठने के पद तक पहुंचूं" (फिलिप्पियों ३:११)। मूसा के बारे में पवित्रशास्त्र कहता है, **"विश्वास ही से मूसा ने सयाना होकर फ़िरौन की बेटी का पुत्र कहलाने से इन्कार किया। इसलिये कि उसे पाप में थोड़े दिन के सुख भोगने से परमेश्वर के लोगों के साथ दुख भोगना अधिक उत्तम लगा। उसने मसीह के कारण निन्दित होने को मिस्र के भण्डार से बड़ा धन समझा, क्योंकि उसकी आंखें फल पाने की ओर लगी थीं"** (इब्रानियों ११:२४-२६)।

जब हम गहरे संकट में होते हैं, तो हम उससे बाहर निकलना चाहते हैं। लेकिन ऐसे समय में अपनी सामर्थ पर निर्भर रहने के बजाय, अगर हम केवल परमेश्वर पर निर्भर हैं, तो हम निश्चित रूप से परमेश्वर के स्पर्श को महसूस कर सकते हैं। यदि हम उन्हें सावधानी और धैर्य से संभाल सकें, तो हम निश्चित रूप से बड़े बदलावों और आशीषों का प्रतिफल पाएंगे। भजन का लेखक दाऊद मंदिर में प्रभु की उपस्थिति में गया और जब भी वह बुराइयों से गिर जाता था, वह परमेश्वर के सामने विनती करता। वह हमेशा मंदिर में प्रभु की उपस्थिति की खोज में रहता और जब भी उसने गलतियां कीं या खुद को गहरी परेशानियों में पाया, तो उसने एक ठहराव रखा। परमेश्वर ने उसे सभी समस्याओं से छुड़ाया। प्रभु ने उसे आशीष दी, उसे सांत्वना दी और उसके सभी दुखों को आनंद में बदल दिया। परमेश्वर के प्रिय बच्चों, क्या आप विपत्ति के मार्ग पर चल रहे हैं? अपनी समस्याओं से बाहर आने के लिए परमेश्वर से अलग रास्ते मत खोजो। ऐसे किसी भी उपाय को न अपनाएं। सांसारिक तरीकों को अपनाने से आपको बड़े खतरों, परेशानियों और असफलताओं का सामना करना पड़ेगा पड़ेगा। कृपया इसे पवित्र आत्मा की आवाज के रूप में मानें जो आपको बताता है कि यदि आप अपने पूरे परिवार, आर्थिक स्थिति, उपाधि, पहचान और बहुत महत्वपूर्ण रूप से अपनी सेवकाई की तुलना में प्रभु पर भरोसा और विश्वास कर सकते हैं, तो निश्चित रूप से वह आपकी इच्छाओं को पूरा करेगा। तो ध्यान से सुनें। इस उद्देश्य के लिए सबसे अच्छी जगह केवल आपका चर्च है। कृपया अपने चर्च और पासवान का सम्मान करें। आप की कलीसिया में ही बड़े पैमाने पर आशीष और खुशी जुड़ी हुई है। **"और एक दूसरे के साथ इकट्ठा होना न छोड़ें, जैसे कि कितनों की रीति है, पर एक दूसरे को समझाते रहें; और ज्यों ज्यों उस दिन को निकट आते देखो त्यों-त्यों और भी अधिक यह किया करो"** (इब्रानियों १०:२५)।

१. जीव उदासी के मारे गल जाता है!

"मेरा जीव उदासी के मारे गल चला है; तू अपने वचन के अनुसार मुझे सम्भाल!" (भजन संहिता ११९:२८)।

कोई भी व्यक्ति अपने अवसाद के कारण अपनी ऊंचाई को हमेशा के लिए बढ़ा या घटा नहीं सकता था। ऐसे में व्यवहारिक तौर पर हम कष्टों के समय चिंता करने से नहीं बच सकते थे।

दाऊद को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा - पहले अपने ससुर, राजा शाऊल के माध्यम से, फिर अपने पुत्र अबशालोम के माध्यम से और कई बार अन्य देशों के लोगों और राजाओं के माध्यम से। परन्तु क्योंकि उसने अपने परमेश्वर पर, जिसने उसे बुलाया था, भरोसा किया, परमेश्वर ने उसके सब क्लेशों और कष्टों को बड़े आनन्द में बदल दिया!

हममें से कई लोगों को ऐसे कठिन समय से भी गुज़रना पड़ता है। कुछ दिल टूट जाते हैं और आत्महत्या करने का प्रयास करते हैं। अगर हम सलाह लेने के लिए केवल मनुष्य की ओर मुड़ें, तो वे हमें धोखा दे सकते हैं। कुछ हमें गुमराह कर सकते हैं। चिंताओं और आंसुओं के बीच, अगर हम पूरी तरह से भरोसा कर सकते हैं और परमेश्वर पर विश्वास रख सकते हैं, तो वह निश्चित रूप से और बिना शर्त हमें दुखों से बाहर लाएगा और आश्चर्यजनक रूप से हमें दिलासा देगा। **"क्योंकि तू संकट में दीनों के लिये गढ़, और जब भयानक लोगों का झोंका दीवार पर बौछार के समान होता था, तब तू दरिद्रों के लिये उनकी शरण, और तपन में छाया का स्थान हुआ"** (यशायाह २५:४)।

जब मुसीबतें बढ़ती हैं, तो हमें ज्यादा समय बाइबल को ज़ोर से पढ़ने में लगाना चाहिए। हमें विश्वास करना चाहिए और परमेश्वर से एक अद्भुत छुटकारे की उम्मीद करनी चाहिए। ठीक वैसे ही जैसे उसने अपने बच्चों को छुड़ाया, जिन्होंने हमारे समान कष्ट सहा! निश्चय ही परमेश्वर आपके जीवन में आपकी अपेक्षा से अधिक बड़े कार्य करेगा। मैं जिसने इस संदेश का प्रचार किया, मेरी विभिन्न कठिनाइयों के दौरान केवल परमेश्वर पर और उस के वचनों को जोर से पढ़कर और पूरे विश्वास के साथ प्रभु पर पूरी तरह से निर्भर रहता हूं। मैंने अपनी बाइबिल में कुछ वचनों को चिह्नित किया है, जिन तारीखों को मैंने परमेश्वर की आवाज सुनी और अविश्वसनीय बड़ी जीत हासिल की! अगर आप भी ऐसा ही करते हैं तो जीत पक्की है!

२. आंखें धुंधला जाती हैं!

"दुख भोगते भोगते मेरी आंखें धुन्धला गईं। हे यहोवा, मैं लगातार तुझे पुकारता और अपने हाथ तेरी ओर फैलाता आया हूँ" (भजन संहिता ८८:९)

भजन का लेखक कहता है कि उसकी आंखें कष्टों के कारण धुंधला जाती हैं। यदि कोई बहुत दुखी होता है, तो उसकी दृष्टि में परिवर्तन महसूस किया जा सकता है। उदासी व्यक्ति को बेहोश कर देती है, सोचने की क्षमता को कम कर देती है, नींद दूर कर देती है, याददाश्त कम कर देती है और भविष्य के बारे में सभी आशा खो देती है। दूसरों से मिलने वाली मदद भी कम हो जाती है। इससे बाहर निकलने के लिए हम क्या कर सकते हैं? निराशाओं को स्थान दिए बिना, हम दो कार्य कर सकते हैं :

१) हम प्रार्थना में परमेश्वर को अपनी वास्तविक स्थिति के बारे में बता सकते हैं। **"मैंने अपनी चालचलन का तुझ से वर्णन किया है और तू ने मेरी बात मान ली है; तू मुझ को अपनी विधियां सिखा!"** (भजन संहिता ११९:२६)। परमेश्वर के साथ समय बिताने और उससे बात करने से बड़ी जीत हासिल होगी। लेकिन इन दिनों, लोग प्रार्थना में परमेश्वर से बात किए बिना सांसारिक लाभ, मनोरंजन और टेलीविजन शो को महत्व देते हुए, अपने स्वयं के मामलों और चीजों में अधिक समय व्यतीत करते हैं।

२) आज के मसीही टेलीविजन प्रचारकों ने कई आत्मिक मसीहियों को आलसी और उदासीन बना दिया है। उन्होंने कई प्रार्थना करने वाले मसीहियों को प्रार्थना न करने वाले, कई बाइबिल पढ़ने वाले मसीहियों को, बाइबिल न पढ़ने वाले बना दिया है। यह एक हमेशा की आदत बन गई है। लेकिन आप कुछ समय के लिए मसीही कार्यक्रम देख सकते हैं, इसे बंद करने के बाद, प्रार्थना, बाइबिल पढ़ने और ध्यान में तल्लीन हो सकते हैं। आप जीत के प्रति आश्वस्त हो सकते हैं। यदि आप अपना सारा समय टीवी कार्यक्रम देखने में सुबह पांच बजे से इतने लंबे समय तक बिताते हैं, तो आप निश्चित रूप से असफलताओं का सामना करेंगे! क्योंकि इन कार्यक्रमों में अनैतिक सिद्धांतों और सूचनाओं के कारण बहुत से निर्दोष लोग ठगे जा रहे हैं और भ्रम के भंवर में फंस रहे हैं। गलत छुटकारे का हर प्रचारक इसे उद्धार के आत्मा के बजाय अपनी स्वयं की इच्छाओं को प्रमुख रखता है। यह भी समकालीन मुसीबत का प्रमाण है। आशा है कि आप आजीविका को बचाने के लिए अपने विश्वास को निश्चित रूप से सामने रखेंगे।

पृष्ठ 6 में क्रमशः...

नहेम्याह बाइबल कॉलेज
RESIDENTIAL / EVENING COLLEGE

Velachery, Chepauk & Santhoshapuram, Chennai.

माध्यमः हिन्दी / तमिल

सदस्यता के लिए पंजीकृत उम्मीदवार - ATA

सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय मसीही अगुवे तथा पिछले 53 वर्षों से सेवारत वरिष्ठ पासवान

सर्टिफिकेट इन थियोलॉजी – 1 साल

डिप्लोमा ऑफ थियोलॉजी – 2 साल

योग्यता 10 वी या अधिक

जल्दी करें!

Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.

10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.

Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858

E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

★ ऑनलाइन कक्षाएं उपलब्ध हैं ★

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES SINCE 1969

महान आदेश के भागी

✽ भार उठना (गलातियों ६:२), ✽ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ✽ चमकना (२ तीमुथियुस १:६)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

१६ जून २०२२ से १८ जुलाई २०२२ तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

१६ जून : हमारा प्रभु हमारे सहयोगी संपादक, भाई मैनुअल एम. पौलराज और उनके परिवार के सदस्यों की सभी बुरी ताकतों से रक्षा कर रहा है ।

२० जून : पिछले महीनों में हमारी सेवकाई की यात्रा को आशीष देने के लिए प्रभु की स्तुति करो।

२१ जून : आइए हम अपने प्रायोजकों की प्रार्थना और सहायता के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

२२ जून : परमेश्वर ने पिछले महीने में एको ऑफ हिज कॉल की सभी गतिविधियों को आशीषित किया।

जून २३ : परमेश्वर ने अपनी कृपा करके हमें उत्तर भारत के अगम्य क्षेत्रों में सुसमाचार के साथ प्रवेश करने में मदद की।

२४ जून : हमारे हिंदी अहृनलाइन थियोलहृजिकल कोर्स पर उनकी बहुतायत की दया के लिए परमेश्वर की स्तुति करो।

जून २५ : परमेश्वर ने हमारे मुख्य और शाखा गिरजाघरों को नए विश्वासियों के साथ आशीषित किया।

२६ जून : आइए हम अपने सभी सहयोगी संपादकों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

२७ जून : हमें अपने मिशन क्षेत्रों से अच्छी रिपोर्ट प्राप्त होती है।

२८ जून : संस्था को अब तक चलाने में हमारे प्रयासों को फलदायी बनाने के लिए प्रभु की स्तुति करें।

२९ जून हमारी रविवार की आराधना सभाओं और अन्य आराधना कार्यक्रमों पर उनकी कृपा के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

जून ३०: परमेश्वर ने हमारे मुख्य चर्च में संपन्न हुई हमारी महिला सभा को आशीषित किया।

जुलाई ०१ : १९६९ से पत्रिका सेवकाई के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पर परमेश्वर की आशीष के लिए उसका का धन्यवाद।

जुलाई ०२ : परमेश्वर ने हमारे मुख्य गिरजाघर में पुरुषों की सभा को आशीषित किया।

जुलाई ०३ : परमेश्वर ने १६ भाषाओं में प्रकाशित हमारे **एको ऑफ हिज़ कॉल** सुसमाचार साहित्य को आशिषित किया जो हमारे गॉस्पल प्रिंटिंग प्रेस में छपकर मिशन क्षेत्रों में भेजे जा रहे हैं।

प्रार्थना विषय

०४ जुलाई : आइए हम अपने अंग्रेजी सहयोगी संपादक, भाई मैनुअल पौलराज को उनकी पूर्ण चंगाई के लिए धन्यवाद। उनके लिए प्रार्थना करना जारी रखें।

०५ जुलाई : परमेश्वर हमारे **एको ऑफ हिज कॉल** के लिए और अधिक समर्पित कार्यकर्ताओं को लाए।

०६ जुलाई : परमेश्वर हमारे समन्वयकों और पासवानों को नई सामर्थ दे।

०७ जुलाई : आइए हम विश्व के सभी आत्मिक अगुवों के लिए प्रार्थना करें।

०८ जुलाई : संसार के सभी देशों के लोगों पर परमेश्वर की आशीष के लिए प्रार्थना करें।

०९ जुलाई : सर्वशक्तिमान परमेश्वर हमारे वरिष्ठ पासवान द्वारा उनकी आत्मकथा के लेखन में मार्गदर्शन और अवसर प्रदान करे।

१० जुलाई : आइए हम अपने प्रार्थना प्रतिभागी, शुल्क प्रतिभागी, विश्वास प्रतिभागी, जीवन प्रतिभागी और महान आदेश प्रतिभागी और उनके परिवार के सदस्यों के लिए प्रार्थना करें।

११. जुलाई : परमेश्वर इस माह में **एको ऑफ हिज कॉल** की सारी आवश्यकताओं को पूरा करें।

१२. जुलाई : आइए हम अपने मिशन क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के लिए प्रार्थना करें।

१३. जुलाई : हमारी सेवकाई की सभाओं और सभी संगठनात्मक गतिविधियों के लिए ईश्वरीय सहमति के लिए प्रार्थना करें।

१४. जुलाई : हमारी सेवाकाइयों की जरूरतों के लिए प्रार्थना करें।

१५. जुलाई : आइए हम दुनिया के सभी देशों से कोरोना वायरस के खात्मे के लिए प्रार्थना करें।

१६. जुलाई : महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए प्रार्थना करें.

१७ जुलाई : आइए हम सभी मसीही संगठनों के लिए प्रार्थना करें।

१८ जुलाई : हमारे वरिष्ठ पासवान एस सैम सेल्वाराज और उनके परिवार के सदस्यों को सारी बुरी शक्तियों से सुरक्षा मिलने और उनके सुरक्षित जीवन के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।

पृष्ठ 4 से आगे:...

आपको परमेश्वर के सामने हाथ बढ़ाना चाहिए! इसका मतलब है कि आपका ध्यान और भरोसा केवल परमेश्वर पर है। आपके सभी विचारों और कार्यों से आपको परमेश्वर को प्रसन्न करना चाहिए। अगर आप दूसरों को परेशान करते और ठगते रहते हैं तो लंबी प्रार्थनाएं करने और कई दिनों तक उपवास रखने का कोई फायदा नहीं है। जो परमेश्वर के वचन को नहीं सुनता उसकी प्रार्थना घृणित है। **"जो अपना कान व्यवस्था सुनने से मोड़ लेता है, उसकी प्रार्थना घृणित ठहरती है"** (नीतिवचन २८:९)। **"दुष्ट लोगों के बलिदान से यहोवा घृणा करता है, परन्तु वह सीधे लोगों की प्रार्थना से प्रसन्न होता है। दुष्ट के चालचलन से यहोवा को घृणा आती है, परन्तु जो धर्म का पीछा करता उस से वह प्रेम रखता है"** (नीतिवचन १५:८,९)।

आज आपका ध्यान कहां है? आप किससे मदद की उम्मीद करते हैं? आप किस दिशा में खोजते हैं?

३. मन का टूटना

"मन आनन्दित होने से मुख पर भी प्रसन्नता छा जाती है, परन्तु मन के दुख से आत्मा निराश होती है।" (नीतिवचन १५:१३)। **"मन का आनन्द अच्छी औषधि है, परन्तु मन के टूटने से हड्डियां सूख जाती हैं"** (नीतिवचन १७:२२)।

लोहे, पीतल या एल्युमिनियम से बनी वस्तु के टूट जाने पर उसे वापस चिपकाया जा सकता है। लेकिन अगर हमारे दिल में छिपी आत्मा टूट जाए तो कोई भी विशेषज्ञ, डॉक्टर या मनोचिकित्सक इसे ठीक नहीं कर सकता। इस दुनिया में हम जिन असफलताओं का सामना करते हैं, आर्थिक गड़बड़ी, बीमारी और पारिवारिक समस्याएं हमारे टूटे हुए दिलों के कारण हैं। इन असफलताओं को दूर करने का एक ही तरीका है और वह है प्रभु के पास जाना। **"जब लोगों ने मुझ से कहा, आओ, हम यहोवा के भवन को चलें, तब मैं आनन्दित हुआ"** (भजन संहिता १२२:१)।

उन लोगों के साथ रहना बहुत महत्वपूर्ण है जो वास्तव में प्रभु की स्तुति और आराधना करते हैं। आपको पवित्र आत्मा से भर जाना है और अपने हाथों को ताली बजाते हुए, अपने हाथों को सिर के ऊपर उठाकर, घुटने टेककर, खुशी से एक चर्च में, जहां आत्मा और सच्चाई से परमेश्वर की आराधना की जाती है, प्रभु की उपासना करना है। तब आप आनन्द और प्रसन्नता से भर जाएंगे; आपकी बीमारी दूर हो जाएगी, आपके खिलाफ किया गया सभी प्रकार का जादूटोना शक्तिहीन हो जाएगा और आप सभी बंधनों से स्थायी रूप से मुक्त हो जाएंगे।

हम इस तरह की आराधना का अनुभव अपने एको ऑफ हिज कॉल बहुभाषी चर्च में करते हैं। कितना बड़ा आनंद है! हम कितने खुश हैं! हमें कितनी शांति मिलती है! प्रिय पासवानों, इस प्रकार की आराधना में अपने गिरजे के सदस्यों का नेतृत्व करें और उन्हें उनके बंधन से मुक्त होने में मदद करें। प्रिय पाठकों, अपने चर्च को महत्व दें। तब, आप अपने चर्च की परिपूर्णता से आशीषित होंगे। **"हमेशा प्रभु में आनन्दित रहें। मैं फिर कहूंगा, आनन्दित रहो!"** (फिलिप्पियों ४:४)। केवल चर्च! केवल चर्च !! चर्च एक ऐसी जगह है जहां परमेश्वर निराशा को आशा और दुखी को खुशी देते हैं। प्रत्येक रविवार और अन्य सभाओं में अपने गिरजाघर में प्रभु की आराधना करें। **"वे यहोवा के भवन में रोपे जाकर, हमारे परमेश्वर के आंगनों में फूले फलेंगे"** (भजन संहिता ९२:१३)।

४. यह अवसाद का कारण बनता है

"उदास मन दब जाता है, परन्तु भली बात से वह आनन्दित होता है" (नीतिवचन १२:२५)।

अवसाद वास्तव में हृदय के सिकुड़ने का कारण बनता है; यह हृदय को सामान्य रूप से कार्य करने से रोकता है, जब लोग उदास होते हैं तो वे स्वतंत्र रूप से नहीं सोच सकते। कुछ समस्याओं के कारण हमारे मन में जो परिवर्तन होते हैं अवास्तविक निर्णय लेने के लिए प्रेरित करते हैं। कुछ अपने घरों से बाहर निकलते हैं और ऐसी जगह की तलाश करते हैं जहां उन्हें कुछ शांति मिल सके। कुछ अपनी समस्याओं को हल करने के लिए कई तरह के प्रयास करते हैं और जब वे असफल होते हैं, तो वे चरम कदम उठाते हैं। इसे एक रहस्य की तरह कहने दीजिए, कोई भी व्यक्ति जो यीशु मसीह के तरीकों से जीवन व्यतीत करता है, वह कभी भी आत्महत्या करने के बारे में नहीं सोचेगा। यह एक वास्तविक बात है! अद्भुत है!! यहां अन्य सभी धार्मिक अवधारणाओं से ऊपर मसीही विश्वास का मार्ग ठोस है!

हालांकि दाऊद को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा, फिर भी उसे प्रभु में दृढ़ विश्वास था। **"परन्तु दाऊद ने अपने परमेश्वर यहोवा को स्मरण करके हियाव बांधा"** (१ शमूएल ३०:६)।

५. दाऊद के दैनिक अनुभव!

"हे परमेश्वर, मुझ पर अनुग्रह कर, क्योंकि मनुष्य मुझे निगलना चाहते हैं; वे दिन भर लड़कर मुझे सताते हैं" (भजन संहिता ५६:१)।

क्लेश और परेशानियां तीन अलग-अलग तरीकों से आती हैं :

१) हमारे विचारों के कारण

२) अपने जीवन में गलत निर्णय लेने के कारण

३) बुरी आत्मा के प्रभाव के कारण। लोगों की ईर्ष्या और जलन के कारण।

लोगों का डर :

कभी-कभी हम अपने आप पर विश्वास खो देते हैं और इस मन:स्थिति के कारण हम एक बहुत ही खतरनाक परिस्थिति में आ पहुंचते हैं। ऐसी स्थिति में दाऊद कहता है, "मनुष्य मुझे निगल जाएगा"। भय और शंका किसी भी शक्तिशाली व्यक्ति को निकम्मा बना देगी। इस पर दूसरी कोई राय नहीं है।

चूंकि दाऊद शत्रुओं से घिरा हुआ था, उसके दिल में दूसरों के आक्रमण का भय और आसन्न युद्ध का भय सदैव बना रहता था। इसके अलावा, उसे रिश्तेदारों द्वारा खतरा होने के कारण वह डर से परेशान था।

"मुझे ऐसी थरथराहट और कंपकंपी लगी कि मेरी सब हड्डियां तक हिल उठीं। तब एक आत्मा मेरे सामने से होकर चली; और मेरी देह के रोएं खड़े हो गए" (अय्यूब ४:१४,१५)।

एक ऐसा भय है, जिसके बारे में पवित्र शास्त्र सख्त मना करता है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि यह इतना गंभीर है कि बाइबल उन लोगों की सूची में सबसे पहले डर को रखती है जो आग की झील में अपना हिस्सा लेंगे। **"परन्तु डरपोकों, और अविश्वासियों, और घिनौनों, और हत्यारों और व्यभिचारियों, और टोन्हों, और मूर्तिपूजकों, और सब झूठों का भाग**

उस झील में मिलेगा जो आग और गन्धक से जलती रहती है : यह दूसरी मृत्यु है" (प्रकाशित वाक्य २१:८)। यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह हमारे अनंत काल को नष्ट कर सकता है। केवल परमेश्वर के वचन की दोधारी तलवार की मदद से ही हम इस डर को उजागर कर सकते हैं और इसे अपने जीवन से मिटा सकते हैं।

सबसे पहले हमें डर को ठीक से पहचानने की ज़रूरत है। यह अंधेरे की आत्मा है। **"क्योंकि परमेश्वर ने हमें भय का नहीं पर सामर्थ्य और प्रेम और संयम का आत्मा दिया है"** (२ तीमुथियुस १:७)। इसका मूल नर्क है और इसका परमेश्वर से कोई लेना-देना नहीं है। वास्तव में, इसकी उपस्थिति ही मनुष्य को परमेश्वर से दूर रखती है। कुछ लोग डर को एक मनोवृत्ति, एक विरासत में मिली प्रकृति या एक सामान्य स्थान की आदत के रूप में मानते हैं। आत्मिक रूप से भय को हल्के में लेने जैसी कोई गंभीर मूर्खता नहीं हो सकती। यह वास्तव में एक परमाणु को परमाणु बम में उभार सकता है और आपके जीवन पर तबाही ला सकता है। यह शैतान की ओर से है। इसलिए इसका विरोध करें। आज डर को सहना शेर के शावक को बड़ा करने जैसा है। यह किसी दिन आपको नोचेगा और अपना शिकार बना लेगा। आज ही अपने जीवन से उस दुष्टात्मा को मिटाने के लिए तैयार हो जाइए!

यह जानने के बाद कि परमेश्वर का वचन भय की आत्मा के बारे में क्या बताता है, अभी इसके खिलाफ एक आक्रामक रुख अपनाएं और इसे दूर फेंक दें। एक विश्वासी के हाथ में शत्रु के विरुद्ध सबसे घातक हथियार यीशु का लहू है। हर बार जब आप इसका इस्तेमाल करते हैं, तो दुश्मन अपने मार्ग में जम कर रुक जाता है। शैतान को कांपने दो। यहां तक कि हमारी आजीविका के बहुत साधारण पहलू को भी यीशु के लहू से छिपा दें। ऐसा होने से केवल दुष्टात्मा ही निष्प्रभावी हो जाएगी।

"क्योंकि जिस डरावनी बात से मैं डरता हूं, वही मुझ पर आ पड़ती है, और जिस बात से मैं भय खाता हूं वही मुझ पर आ जाती है" (अय्यूब ३:२५)।

वह समय जब शैतान सबसे कमज़ोर महसूस करता है, वह होता है जब वह उजागर हो जाता है क्योंकि जब तक वह नरक में नहीं जाएगा, तब तक उसने एक बार भी अपनी सही तस्वीर नहीं दिखाई। हमारे जीवन से दुष्टात्मा को बाहर फेंकना, हमारे एकमात्र उद्धारकर्ता यीशु के लहू और हमारे स्थिर विश्वास को थाम लेना है। वह धोखेबाज है जो नकाब के नीचे चेहरा छुपा कर घूम रहा है। २ कुरिन्थियों २:११ में जो वचन कहता है उसके लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें: **"कि शैतान का हम पर दांव न चले, क्योंकि हम उसकी युक्तियों से अनजान नहीं।"** शैतान के साथ व्यवहार करते समय, शैतान का सामना करने के लिए, हमें निश्चित रूप से उसके विश्वासघात के बारे में पता होना चाहिए, यह बहुत महत्वपूर्ण है।

द्वारपाल

द्वारपाल का कार्य अपने स्वामी के आगे जाना और उसके भीतर आने के लिए द्वार खोलना है। भय शैतान का द्वारपाल है। शैतान के लिए डर इतना आवश्यक है अगर उसे सफलता पाना है। शैतान के जितने भी मित्र हैं, उनमें भय उसके सबसे निकट है। शैतान अपनी सभी योजनाओं को आगे बढ़ाने से पहले डर की आत्मा की सलाह को पेश करता है। डर एक बुरी आत्मा है, जो परमेश्वर के कट्टर दुश्मन के रूप में शैतान के लिए बीज बोने के लिए मिट्टी तैयार करती है। भय शैतान की गतिविधि के लिए वातावरण, उपस्थिति, माध्यम और माहौल बनाता है। हम इसे अय्यूब की तस्वीर में सच पाते हैं : ... जिसका मुझे बहुत डर था वह मुझ पर आ गया है, जिस तरह विश्वास प्राकृतिक दुनिया के दायरे में परमेश्वर की अनदेखी आशीष लाता है, भय शैतानी की अनदेखी चीजों को दिखाई देने वाली दुनिया में लाता है। शैतान ने अपनी सारी बुराई और विनाश को एक व्यक्ति के जीवन में ले जाने के लिए डर को एक 'पुल' के रूप में इस्तेमाल किया है ।

विचारों को बोने के द्वारा एक तरह शैतान अपना रास्ता बना लेता है। हमेशा डर युक्त विचारों का विरोध करें, उन्हें अस्वीकार करें और उनसे पीछे हटें। उन्हें कभी स्वीकार न करें। यीशु के नाम पर अपनी पवित्रता से भरी जीवन संरचना के माध्यम से भय की इस भावना को दूर करें। सुनिश्चित करें कि डर का दावा न करें। डर का इजहार करना इसे बढ़ावा दे रहा है।

तोड़ मरोड़ कर कहे गए शब्द

"वे दिन भर मेरे वचनों का, उलटा अर्थ लगा लगाकर मरोड़ते रहते हैं; उनकी सारी कल्पनाएं मेरी ही बुराई करने की होती हैं" (भजन संहिता ५६:५)।

हम में से कई लोगों के लिए कठिनाइयां विभिन्न तरीकों से उत्पन्न होती हैं। हमें किसी बात के लिए दोषी ठहराया जाता है जो हमने अपने कार्यस्थल पर नहीं कही है। दाऊद को भी उसके शब्दों का गलत अर्थ लगाने और दोषी पाए जाने का अनुभव था। ऐसा सिर्फ एक दिन में नहीं, बल्कि रोज़ की बात थी।

यद्यपि हमारे दैनिक जीवन में ऐसी अप्रत्याशित परिस्थितियां उत्पन्न होती हैं, हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि हमारा परमेश्वर जो इन सभी बुरी चीजों को अच्छाई में बदल सकता है, वह हमेशा हमारे साथ है। हम भजन संहिता ३४:१९ में पढ़ते हैं, **"धर्मी पर बहुत सी विपत्तियाँ पड़ती तो हैं, परन्तु यहोवा उसको उन सबसे मुक्त करता है।"** जब हम कठिन समय से गुज़रते हैं, तो हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि यह हमारे जीवन का अंत है। हमें यह समझना चाहिए कि एक ईमानदार व्यक्ति को कई बुराइयों का सामना करना पड़ता है, लेकिन परमेश्वर उसे हर स्थिति से मुक्ति दिलाएगा और उसे खुशी से जीवित रखेगा। लेकिन, क्या आप एक धर्मी व्यक्ति हैं? क्या प्रभु यीशु मसीह ने आपके पापों को क्षमा किया है? क्या आप बिना किसी पाप के जीवन जी रहे हैं, पूरी तरह से ईमानदारी का पालन कर रहे हैं? ये सभी बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं।

इस प्रार्थना के अनुसार, **"जितने दिन तू हमें दुख देता आया, और जितने वर्ष हम क्लेश भोगते आए हैं उतने ही वर्ष हम को आनन्द दे"** (भजन ९०:१५), परमेश्वर इतना सामर्थी है कि जो कुछ हमने खोया है उसकी भरपाई कर सकता है और आशीष दे सकता है। लंबे जीवन और खुशी के साथ। जब आप धर्मी होने का कष्ट सहेंगे, तो आपका जीवनकाल बढ़ जाएगा। डरें नहीं। विपत्ति के दिनों में, विपत्ति के दिनों में निश्चय मैं यीशु मसीह पर विश्वास रखूंगा, निश्चय ही मैं यीशु मसीह पर विश्वास रखूंगा। भय के दिनों में, भय के दिनों में निश्चय ही मैं यीशु मसीह पर प्रीति रखूँगा, निश्चय ही मैं यीशु मसीह पर प्रीति रखूंगा।

आपके मुख से विश्वास और आशा के शब्दों का उच्चारण निश्चित रूप से आपके हृदय में हर्ष और विश्वसनीयता लाएंगे। आम तौर पर जब हम बड़ी मुसीबतों के बोझ तले दबे होते हैं, तो हम जो शब्द

....Contd. to page 9

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

मेरे युवा हृदय की धड़कन और रक्त संचार केवल मेरे यीशु, मेरे निर्माता के लिए था!!

वर्ष १९६७ में, बहन एमियाम्मल सन्यासिनी अम्मल, जो एक सम्माननीय मिशनरी सुसमाचार प्रचारक थीं, ने नेयूर के मेमोरियल हॉल में ३ दिनों के लिए सुसमाचार बैठकें आयोजित कीं। मेरी प्रारंभिक शिक्षा उसी शहर में हुई थी। वह बहुत बूढ़ी औरत थी। **"नासरत प्रार्थना फैलोशिप"** के कुछ भाई, जैसे भाई माइकल चेल्लादुरै, भाई जॉन विक्लिफ, भाई जोशुआ ज्ञानदुरै और भाई जॉन कोइलपिचाई, परमेश्वर के अन्य सेवकों के साथ आए और अपनी गवाही बताते हुए, उन्होंने यीशु मसीह पर प्रचार किया।

Sis. Emiyammal Sanyasini Ammal

Bro. Joshua Gnanadurai, Bro. Michael Chelladurai, Mr. John Arputharaj

बहन एमियाम्मल सन्यासिनी अम्मल ने मुझे उन प्रचारकों की मदद करने और उनकी सेवा करने के लिए इस्तेमाल किया। मैं उनके लिए पानी का प्रबंध करता था, उनके कपड़े धोता था, उनके जूते साफ करता था, उनके लिए भोजन की व्यवस्था करता था और उनके लिए कोई भी काम करने के लिए उनके साथ होता था। वे नेयूर के डॉ. अय्यादुरई के एंग्लो इंडिजिनस क्लिनिक की ऊपरी मंजिल में रह रहे थे। डॉ. डी. अय्यादुरई सेवकाई में उत्साही थे और उन्होंने परमेश्वर के सेवकों को आर्थिक सहायता दान करके उनकी मदद की। उनके छोटे भाई डॉ. डी. साइमन, जो सिसु वैद्य आश्रम के नाम से बच्चों का अस्पताल चला रहे थे, मुझे बहुत प्यार करते थे और प्रोत्साहित करते थे। एक बार उन्होंने मेरी तरफ देखा और कहा, "तुम्हारे अंदर कुछ खास है।" इसलिए उन्होंने मेरी सराहना की। मैं उस समय १८ साल का था।

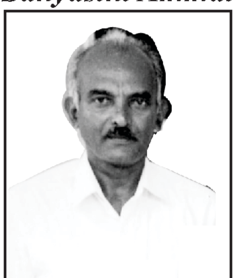

Bro. John Wycliffe

Dr. D. Ayyadurai

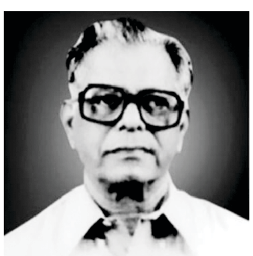

Dr. D. Simon

उन बैएकों में, नासरत प्रार्थना फैलोशिप के युवा प्रचारकों ने बताया किया कि कैसे वे यीशु मसीह द्वारा बचाए गए थे और उन्होंने सांसारिक पापों से मुक्ति प्राप्त की और विशेष रूप से सिनेमा देखने और जल्द ही उन्होंने देखा कि कैसे वे सांसारिक सुखविलासों से बचाए गए जो उनके युवा दिनों में बुरे प्रभाव का कारण बने। उन्होंने प्रभु यीशु मसीह में पवित्र जीवन जीने से प्राप्त होने वाली खुशी के बारे में बताया।

उन सभाओं के अंतिम दिन, मैंने अपने पापमय जीवन को महसूस किया और प्रभु यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। मुझे पवित्र जीवन से प्यार होने लगा। मैंने बिना शर्त निर्णय लिया कि मुझे एक उपयोगी जीवन व्यतीत करना चाहिए और परमेश्वर के लिए कुछ करना चाहिए। इस भावना ने मुझे परमेश्वर यीशु मसीह की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। उस दिन, मैंने अपने पापों से पश्चाताप किया, उन्हें परमेश्वर के सामने स्वीकार किया, और अपना जीवन पूरी तरह से प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के लिए समर्पित कर दिया। मैंने जीवित परमेश्वर यीशु मसीह के द्वारा उद्धार की आशीष प्राप्त की। "... तुम्हारी बुद्धि के नए होने के द्वारा तुम्हाला चालचलन बदलता जाए ..." (रोमियों १२:२)। इन सभाओं के अंत में, नाजरेथ प्रार्थना फैलोशिप के परमेश्वर के सेवकों के मन में मेरे लिए एक गहरा प्रेम और परवाह उत्पन्न हुई और उन्होंने मुझे उनके साथ उनके स्थान पर जाने के लिए आमंत्रित किया। इसलिए मुझे अपने माता-पिता से उनके साथ जाने की अनुमति मिल गई। वे मुझे तिरुनेलवेली जिले के एक कस्बे नाज़रेथ ले गए। मिशनरी प्रचारक बहन एमियाम्मल सन्यासिनी अम्मल भी हमारे साथ थीं।

सर्वोच्च अनुभव! नाज़रेथ प्रार्थना फैलोशिप!

फूस का शेड था। उस शेड में, मार्गोस्चिस स्कूल और कॉलेज के उच्च शिक्षित छात्र थे, शिक्षक, व्याख्याता और कई अन्य उत्साही लोग प्रतिदिन शाम की बैएकों में भाग लेते थे। सादा नाश्ता परोसा गया !!! दोपहर के भोजन के लिए "सांबर" (सब्जी स्टू) और स्वादिष्ट "रसम" (सब्जी का सूप) के साथ चावल परोसा गया। रात में भी बहुत ही

स्वादिष्ट रसम के साथ चावल परोसे जाते थे। यह मेरे लिए एक अद्भुत अनुभव था। मैं उस छप्पर में रात-दिन प्रभु की उपस्थिति को महसूस कर सकता था। मैं उस स्थान पर परमेश्वर के सेवकों की आदतों और गतिविधियों से आकर्षित था। मैंने सुना है कि वहां से महान आत्मिक क्षमता वाले और महान अगुवों को खड़ा किया गया था। उनके जैसा बनने की इच्छा मेरे मन में दिन-ब-दिन बहुत मज़बूत होती गई।

Nazareth Prayer Fellowship - 1967

एक एकांत स्थान"थेरी!" में अनुभव!!

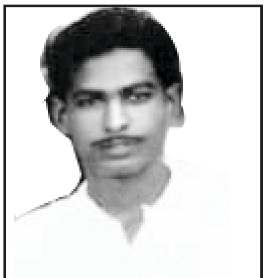

Bro. John Koilpitchai

Bro. R. Stanley
(Blessing Youth Mission)

हर दिन शाम ५ बजे और रात ८ बजे के बीच सभी सदस्य 'थेरी' नामक स्थान पर एकत्रित हुए। यह लाल मिट्टी वाली एक सुनसान जगह थी। उनके पास व्यक्तिगत प्रार्थनाएं, बाइबल वाचन, सामूहिक प्रार्थनाएं, साझा करने की गवाही आदि हुआ करती थी। उन्होंने मुझे उन प्रार्थनाओं में भाग लेने की अनुमति दी और मुझे एक प्रार्थनापूर्ण जीवन और पवित्र आत्मा के नेतृत्व वाली जीवन शैली का रहस्य सिखाया।

उनमें से कुछ मुझे अभी भी याद हैं : भाई सांता कुमार, भाई जेकब सेल्वराज, भाई जॉन अर्पुथराज, भाई पकियाराज, भाई फिलिप जयसिंह, भाई गुनशेखर, भाई कुमारदास (थेनकासी), भाई कुमारदास (बैंगलोर), भाई इमैनुएल, भाई कुमार, भाई स्टेनली, भाई डेनियल, भाई गिदोन, भाई शमूएल, भाई तीमोथी, भाई मणिक्कम, भाई कालेब पॉल पांडियन, भाई जोसेफ गुनासिंह, भाई टाइटस मारिया सुंदरम, भाई बेनी, भाई ज्योति पांडियन, आदि।

१५ दिनों के बाद बहन एमियाम्मल सन्यासिनी अम्मल मुझे वापस मेरे स्थान पर ले जाने के लिए आई। परमेश्वर के सेवकों ने आंसुओं के साथ प्रार्थना की। उस समय भाई माइकल चेल्लाधुरई, भाई जॉन विक्लिफ, भाई जोशुआ ज्ञानदुरै, भाई जॉन कोइलपिचई और परमेश्वर के अन्य महान भाइयों ने मुझ पर हाथ रखा और मेरे लिए प्रार्थना की। उस प्रार्थना के दौरान, उनमें से एक ने इस प्रकार भविष्यवाणी की :

"ओ! बेटा सैम सेल्वाराज! मैंने तुम्हें अपने लिए चुना है। मैं आपके माध्यम से महान कार्य करने जा रहा हूं। आपके नाम के अनुसार, मैं आपको एक भविष्यद्वक्ता और एक सामर्थी व्यक्ति के रूप में ऊपर उठाऊंगा, ठीक बाइबिल में शमूएल की तरह। मैं तुम्हें एक पिता बना दूंगा जो बहुत से लोगों का पेट भरेगा। तुम परमेश्वर के सेवक होने में लज्जित नहीं होंगे और प्रभु यीशु मसीह के लिए एक साहसी अगुवा होंगे। मैं तुम्हारे साथ रहूंगा और तुम्हें वह सब दूंगा जो तुम चाहते हो। मैं तुम्हें संसार के अनेक देशों में भेजूंगा, और तुम्हारे द्वारा अपना राज्य स्थापन करूंगा। मैं तुम्हें अच्छा स्वास्थ्य और सिद्ध वर्ष दूंगा। **"तब मैं परमेश्वर की वेदी के पास जाऊँगा, उस ईश्वर के पास जो मेरे अति आनन्द का कुंड है; और हे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, मैं वीणा बजा बजाकर तेरा धन्यवाद करूँगा" (यशायाह ४३:४)।**_उसके तुरंत बाद, १९६६ में, परमेश्वर ने मुझे परमेश्वर के एक महान व्यक्ति के पास परमेश्वर के एक विनम्र सेवक के रूप में भेजा, 'हेरल्ड ऑफ हिज कमिंग' के प्रधान संपादक एस. देवदासन, जो एक प्रसिद्ध मसीही पत्रिका थी। परमेश्वर अच्छा है ।

(...to be continued in August 2022 issue)

पृष्ठ 7 से आगे...

बोलते हैं, वे अच्छे नहीं होते। भले ही हम अनुभवी मसीही हों, हम कभी-कभी इस ये शब्द कहते हैं :

१. यहोवा ने मेरी प्रार्थना नहीं सुनी (अय्यूब ३०:२०)
२. यहोवा को मेरी कोई सुधि नहीं है (अय्यूब ३०:२०)
३. यहोवा मुझ पर क्रूर है (अय्यूब ३०:२१)
४. यहोवा मेरे साथ शत्रु जैसा व्यवहार करता है (अय्यूब ३०:२१)
५. यहोवा ने मुझे ऊंचा उठाया और मुझे नीचे गिरा दिया (अय्यूब ३०:२२)
६. भलाई के बदले मुझे बुराई मिली (अय्यूब ३०:२६)
७. उजाले की जगह अंधियारा आया (अय्यूब ३०:२६)
८. मैं उन समस्याओं का अनुभव करता हूं जो किसी ने अनुभव नहीं की हैं।
९. मेरा जीवन क्लेशों के साथ समाप्त हो गया है (भजन ३१:१०)
१०. मेरे दिन कंगाली में चले गए हैं (भजन संहिता ३१:१०)।

क्या आप भी ऐसी स्थिति में हैं? निराश मत होना। प्रभु तुम्हारे साथ भी अद्भुत काम करेगा। लेकिन कुछ चीजें हैं जो आपको करनी हैं : १. विश्वासहीनता के शब्द न बोलें। केवल विश्वास और आशा के शब्द बोलें। २. उन लोगों से दूर रहें जो आपके विश्वास के संबंध में आपको भ्रमित करते हैं। जबकि, उन लोगों के साथ मज़बूत संगति रखें जो आपके विश्वास को प्रेरित करते हैं। उन लोगों के साथ मज़बूत संगति रखें जो आपके विश्वास को प्रेरित करते हैं, यीशु मसीह में गवाही से भरा जीवन जीने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते रहें। ३. भले ही अच्छा होने की कोई संभावना नहीं है, फिर भी चमत्कार करने के लिए प्रभु और उसकी सामर्थ पर विश्वास करें; आशान्वित प्रार्थनाओं के साथ केवल उसी पर निर्भर रहें। अवश्य ही चमत्कार होंगे। **"आपका विलाप आनंद में बदल जाएगा!"** (भजन ३०:११)

RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/21-23 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23

एको ऑफ हिज़ कॉल

यू ट्यूब

Please subscribe

कृपया आपके समय के अनुसार हमारा **एको ऑफ हिज़ कॉल यू ट्यूब चैनल** देखें और उसे सब्स्क्राईब करें। - धन्यवाद

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **S. Sam Selva Raj**
A/C No. : **1023 2934 679**
IFSC : **SBIN 00 00 249**
SWIFT CODE : **SBI NIN BB 455**

2. Bank : ICICI Bank

Branch : **Anna Salai, Chennai-6**
Name : **Echo of His Call**
A/C No. : **6038 0502 2319**
IFSC : **ICIC 000 6038**

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **Echo of His Call Educational Trust**
A/C No. : **1023 2923 805**
IFSC : **SBIN 00 00 249**

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ
*****
E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/-   आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :
ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.com

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/21-23
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th JUNE, 2022
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No. 18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by him at **Echo of His Call Printers**, New No. 8 & 10, Old No. 18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**